वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 122 | मंगलवार 26 अगस्त 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने किया आमेर किले का निरीक्षण

ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : दीया

अधिकारियों को सख्त निर्देश, पर्यटकों की सुरक्षा के लिए सभी स्मारकों का होगा सेफ्टी ऑडिट

आमेर किले में ढही दीवार का लिया जायजा, जल्द मरम्मत के आदेश

जयपुर. कासं

राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सोमवार को जयपुर के ऐतिहासिक आमेर किले का दौरा किया और हाल ही में ढही हुई रामबाग की दीवार का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को किले की सुरक्षा और मरम्मत का काम तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद, उपमुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ एक विस्तृत बैठक की। इस बैठक में आमेर किले के विकास और संरक्षण पर चर्चा हुई। बैठक में किले की दीवारों और अन्य संरचनाओं के रखरखाव, पर्यटकों के लिए बेहतर सुविधाओं, सुरक्षा प्रबंधों, यातायात और साफ-सफाई जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर बात

की गई। अधिकारियों ने वर्तमान स्थिति और प्रस्तावित सुधारों के बारे में जानकारी दी, जिस पर दीया कुमारी ने अपने सुझाव दिए और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की सभी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने इन धरोहरों के सुधार और विकास के लिए आम लोगों और विशेषज्ञों की राय को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि इन प्रयासों से राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को एक नई पहचान मिलेगी और पर्यटकों का अनुभव और भी बेहतर होगा। इस अवसर पर पर्यटन आयुक्त रुक्मणि रियार, महल अधीक्षक राकेश छोलक, पुरातत्व निदेशक पंकज धीरेन्द्र, आमेर विकास प्राधिकरण और ट्रैफिक पुलिस के प्रतिनिधि सहित कई अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

राजस्थान में एम्स की तर्ज पर होगी रिम्स की स्थापना मिलेगा मुफ्त इलाज

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में आमजन को विश्व स्तरीय और किफायती चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कदम उठा रही है। वर्ष 2024-25 के बजट में प्रदेश में सुपर-स्पेशियलिटी चिकित्सा को नये आयाम देने के लिये आरयूएचएस (राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साईंसेज) का उन्नयन कर दिल्ली एम्स की तर्ज पर राजस्थान इंस्टीयूट ऑफ मेडिकल साईंसेज (रिम्स) की स्थापना की घोषणा की गई थी। इसी क्रम में राज्य सरकार द्वारा राज्य विधानसभा में 'राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, जयपुर विधेयक 2025' पेश किया जायेगा। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बताया कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) नई दिल्ली की तर्ज पर जयपुर में रिम्स की स्थापना की जाएगी जिसमें सुपर-स्पेशियलिटी नैदानिक सेवाओं, उन्नत चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य चुनौतियों के लिए अनुसंधान और रोगी देखभाल की सर्वोत्तम सुविधाएं आमजन को मिलेगी। रिम्स एक स्वायत्त संस्थान और विश्वविद्यालय के रूप में कार्य करेगा जहाँ राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम, 2019 के तहत डिग्री, डिप्लोमा और अन्य शैक्षणिक मान्यता दी जा सकेगी। चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने बताया कि रिम्स में कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, यूरोलॉजी, प्लास्टिक सर्जरी, एंडोक्राइनोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, सीटीवीएस एवं ट्रांसप्लांट यूनिट जैसे सुपर स्पेशियलिटी सुविधाएं होगी।

अभिनेता संजय दत्त ने की मुख्यमंत्री शर्मा से मुलाकात

मुख्य सचिव होंगे अध्यक्ष

राज्य के मुख्य सचिव इसके अध्यक्ष होंगे तथा प्रतिनियुक्ति पर निदेशक नियुक्त किए जायेंगे। साथ ही एक शासी निकाय का गठन किया जायेगा जिसमें एम्स नई दिल्ली, चंडीगढ़ के पीजीआई और आईआईएम जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों के विशेषज्ञों को शामिल किया जायेगा। आरयूएचएस और स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट, जयपुर को भी रिम्स में समाहित करना प्रस्तावित है।

पंडित टोडरमल स्मारक भवन में सम्पन्न हुए दो अलग-अलग विदाई व सम्मान समारोह

पंडित सुदीप शास्त्री के बिदाई एवं सम्मान समारोह में हीरा चन्द बैद ने प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

पंडित टोडरमल स्मारक भवन बापू नगर के मुख्य प्रवचन होल में पंडित टोडरमल दिगम्बर जैन सिद्धांत महाविद्यालय एवं पंडित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट द्वारा डा. राकेश जी जैन शास्त्री नागपुर का सम्मान एवं बिदाई समारोह का आयोजन किया गया। देश भर में शोध गोष्ठीयों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले महाविद्यालय के शास्त्री प्रथम बैच के विधार्थी रहे डा. राकेश शास्त्री ने गत दो माह से महाविद्यालय के विधार्थियों को तीन कक्षाओं में 'परमभाव-प्रकाशक' व 'नय चक्र' विषय का प्रभावि अध्ययन कराया। आप यहां से बिदा होकर अध्यात्म नगरी सोनगढ़ -गुजरात के लिए प्रस्थान कर रहे हैं। टोडरमल दिगम्बर जैन सिद्धांत महाविद्यालय के प्राचार्य डा.शान्ति कुमार पाटिल ने डा. राकेश शास्त्री द्वारा प्रदत्त सेवाओं की प्रसंशा की समारोह का संचालन पंडित जिन कुमार शास्त्री ने किया। महाविद्यालय के विधार्थियों ने अध्ययन के समय के अपने अपने मार्मिक अनुभव प्रकट किये तब उपस्थित महानुभाव भावविह्वल हो गये। डा. राकेश शास्त्री ने अपने उद्बवोधन में कहा कि मेरे लिए यह यादगार समय है जिस संस्थान का मैं विधार्थी रहा आज उसी संस्थान के विधार्थियों को अध्ययन कराया है। जब भी यहां के होनहार विधार्थी चाहेंगे तब मैं अध्ययन कराने आऊंगा। मंचासीन पंडित पीयूष शास्त्री, पंडित आकाश शास्त्री, पंडित श्रीमंत शास्त्री, पंडित अमन शास्त्री, हीरा चन्द बैद, पंडित संजय सेठी, पंडित नवीन जैन , पंडित गौरव शास्त्री ने डा. राकेश शास्त्री नागपुर को तिलक, माला, शौल, दुपट्टा , साहित्य , पंचतीर्थ जिनालय का चित्र व सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इसी प्रकार डा. राकेश जी शास्त्री की धर्मपत्नी डा. स्वर्णलता जैन का सम्मान डा. ज्योति सेठी, चारु जैन व प्रीति जैन ने किया।

पंडित सुदीप शास्त्री का बिदाई एवं सम्मान

आचार्य कुन्दकुन्द नैतिक शिक्षा समिति एवं अखिल भारतीय जैन युवा फैडरेशन जयपुर के७ सक्रिय सदस्य एवं देश की प्रतिष्ठित कंपनी रिलायंस रिटेल में उच्च पद पर कार्यरत पंडित सुदीप शास्त्री अमरमऊ धार्मिक भावना से प्रेरित होकर कुन्दकुन्द कहान पारमार्थिक ट्रस्ट सोनगढ़, गुजरात में आई टी क्षेत्र में सेवाएं देने का निर्णय लिया। सोनगढ़ प्रस्तान से पूर्व आचार्य कुन्दकुन्द नैतिक शिक्षा समिति एवं अखिल भारतीय जैन युवा फैडरेशन जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में पंडित टोडरमल स्मारक भवन के बोर्ड मीटिंग होल में बिदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसका संचालन करते हुए पंडित जिन कुमार शास्त्री ने कहा कि पंडित सुदीप शास्त्री द्वारा स्मारक भवन में आई टी केन्द्र की स्थापना में निभाई गई अहम भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि इस केन्द्र के माध्यम से पूरे विश्व में टोडरमल स्मारक भवन में आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण हो रहा है। आचार्य कुन्दकुन्द नैतिक शिक्षा समिति के महामंत्री पंडित नवीन जैन, कार्याध्यक्ष पंडित पीयूष शास्त्री, अध्यक्ष पंडित संजय शास्त्री, अखिल भारतीय जैन युवा फैडरेशन के हीरा चन्द बैद, पंडित श्रीमंत शास्त्री, पंडित गौरव शास्त्री, पंडित आकाश शास्त्री, पंडित अरविन्द शास्त्री, पंडित अमन शास्त्री ने पंडित सुदीप शास्त्री के मंगल भविष्य की कामना करते हुए तिलक लगाकर माला, दुपट्टा,शौल पहनाकर कर श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर पंडित सुदीप शास्त्री के परिजनों का भी सम्मान किया गया। अपने उद्बवोधन में पंडित सुदीप शास्त्री ने कहा कि स्मारक भवन में बिताए समय को मैं कभी नहीं भूला सकता और आई टी का जब भी कोई काम हो सूचना मिलते ही जयपुर आऊंगा। सभी साथियों ने मेरा जो मान किया उसके लिए आभार व्यक्त करता हूं। **-प्रेषक ; हीरा चन्द बैद**

डा.राकेश जैन शास्त्री के बिदाई एवं सम्मान समारोह

सेवा ही मोक्ष का मेवा खिलाती है : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

भोपाल. शाबाश इंडिया

परम पूज्य भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर दानिश कुंज कोलार रोड भोपाल में आगामी पर्युषण पर्व पर विविध धार्मिक आयोजन किये जायेंगे। आज की शांतिधारा करने का सौभाग्य बालचंद जैन विज्ञाश्री परिवार ने प्राप्त किया। तत्पश्चात पूज्य गुरुमां के मुखारविंद से धर्म की गंगा बहने लगी। माताजी ने कहा कि सेवा करो मेवा मिलेगा। यह नियत है कि अच्छे कर्मों का फल अच्छा ही मिलता है। कहां भी है जैसे करनी वैसी भरनी। सेवा एक ऐसा गुण है जो इहलोक में भी सम्मान दिलाता है और परलोक में भी सुख देता है। बुजुर्ग की सेवा तुम्हें आशीर्वाद देती है। दीन दुखियों की सेवा तुम्हें दुआ देती है। गुरु की सेवा परमात्मा से मिलाती है। मान के मर्दन से सेवा गुण प्रकट होता है। यही कारण है कि सेवा हमें मोक्ष का मेवा खिलाती है। दोपहर के सत्र में रत्नकरण्डक श्रावकाचार एवं जैन सिद्धांत प्रवेशिका की कक्षा का ज्ञान श्रद्धालुओं ने प्राप्त किया। सभी भक्तों ने मिलकर आज प्रभु जी का परिमार्जन हर्षोल्लास पूर्वक किया।

जिनशासन,नवकार महामंत्र ओर तीर्थंकरों के प्रति अटूट हो हमारी श्रद्धा: कुमुदलताजी म.सा.

परमात्मा के प्रति रखे असीम श्रद्धा,मिट जाएंगे सब पाप, ताप व संताप : महाप्रज्ञाजी म.सा.

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। अनुष्ठान आराधिका ज्योतिष चन्द्रिका महासाध्वी डॉ. कुमुदलताजी म.सा. आदि ठाणा के सानिध्य में आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति द्वारा सुभाषनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में दिवाकर कमला दरबार में पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व के अष्ट दिवसीय आध्यात्मिक आयोजन के छठे दिन सोमवार को अरिहन्त भवन में जिनवाणी श्रवण करने के लिए श्रावक-श्राविकाएं इस कदर उमड़े कि विशाल प्रांगण छोटा प्रतीत हुआ। पर्युषण में त्याग तपस्या का ठाठ लगा हुआ है ओर मासखमण तपस्वी का सम्मान करने के लिए तप की बोली भी मासखमण तपस्या बोल कर ली गई। छठे दिन धर्मसभा में साध्वी कुमुदलताजी म.सा. ने साधना का प्रथम सोपान- श्रद्धा विषय पर प्रवचन में कहा कि हमारी अपने धर्म जिनशासन ओर तीर्थंकर परमात्मा के प्रति श्रद्धा अटूट होनी चाहिए। श्रद्धा कमजोर होने पर पैर नहीं उठ सकते है। हमारी श्रद्धा ज्ञानमूलक होकर सुदर्शन सेठ, अर्जुन मालाकार, चंदनबाला, शबरी,मीरा की तरह होंगी तो हम जिनशासन के लिए समर्पित हो जाएंगे ओर हमारे जीवन का कल्याण हो जाएगा। घर से निकलते समय नवकार महामंत्र का नौ बार स्मरण अवश्य करे ओर 14 पूर्व भवों के सार वाले इस महामंत्र पर अखण्ड श्रद्धा रखे। उन्होंने कहा कि हमारा जीवन श्रद्धा,आस्था व भरोसे पर ही टिका है। हमारी श्रद्धा अपने धर्म ओर इसके आराधकों के प्रति गौतम स्वामी, भद्रबाहु स्वामी ओर आचार्य मानतुंग जैसी होनी चाहिए। कुमुदलताजी म.सा. ने कहा कि हमे समाज हो या व्यक्ति उसमें दोष नहीं अच्छाई ढूंढनी है ओर बुराई को छोड़ना है। अर्जुनमाली जैसे प्रसंगों से सीखे कि कोई बुरे अतीत वाला व्यक्ति धर्म से जुड़ रहा है तो उसकी निंदा करने की बजाय उसकी धर्म के प्रति जागृत हुई श्रद्धा की अनुमोदना करे।

महावीर पब्लिक स्कूल सी- स्कीम, जयपुर में "महिला सुरक्षा अभियान" कार्यशाला का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

समाज में महिलाओं के प्रति बढ़ते हुए अत्याचार को देखते हुए राजस्थान सरकार की पहल पर राजस्थान पुलिस ने महिलाओं की सुरक्षा को मध्येनजर रखते हुए विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों, कार्यालयों आदि स्थानों पर महिलाओं की जागरुकता हेतु अभियान शुरू किया है। इसी कड़ी में राजस्थान पुलिस की ओर से महावीर पब्लिक स्कूल सी- स्कीम,जयपुर में भी एक सत्र का आयोजन हुआ। जिसमें महिला शिक्षकों को स्वयं को सुरक्षित रखने के कई सुझाव दिए। साथ ही 'राजकोप सिटिजन' एप भी डाउनलोड करवाया, जिस पर मैसेज करने पर तुरंत पुलिस सुरक्षा मुहैया हो जाती है। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने पुलिस आधिकारियों को इस विशिष्ट सत्र के लिए बहुत बहुत धन्यवाद दिया।

दश लक्षण पर्व में संत का जीवन जीकर देखो . अपता चलेगा कैसा होता है संत जीवन..क्या होती हैं चर्या

गाजियाबाद. शाबाश इंडिया

तुम शुरूआत करो परमात्मा अंत करेगा परमात्मा ओर गुरु की भक्ति करते रहो क्योंकि जिसने दांत दिए है वो दाना भी देगा। लेकिन आप का जीवन ऐसा चल रहा है। खाओ पियो ऐस करो ..रहो होटल में ओर मरो हॉस्पिटल में बस यही चल रहा है।अच्छे स्वास्थ व पेट भरने के लिए दो रोटी सब्जी खाना भी बहुत है। लेकिन स्वाद के लिए छप्पन पकवान भी कम पड जायेगे। आज व्यक्ति स्वास्थ के लिए नहीं अपितु स्वाद के लिए खा पी रहा है। खिचड़ी दो प्रकार की होती है अगर रसोईघर में बने तो आरोग्यता प्रदान करेगी और दिमाग में पके तो बीमार कर देगी। .....यह बात भारत गौरव अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज ने ससंघ के साथ श्री तरूणसागरम् पार्श्वनाथ धाम, जिला-गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) के धर्म परिसर मेंजीवन के संस्मरण सुनाते उपस्थित भक्तों से कही . उन्होंने पर्वधिराजपर्यूषण को लेकर कहा कि इस बार पर्यूषण में संत का जीवन जीकर देखो।दस दिन चटाई पर सोना, उपवास करना समता नहीं होती एकाशन करना, नित्य प्रतिक्रमण, सामयिक, देव वंदना अभिषेक करना ,उबला भोजन बिना नमक का भोजन खाना, मीठे का फल का त्याग देखो तो कैसे संत जीवन जीते है।संत के जीवन के लिए कहा गया हे असिधारा अर्थात संत का जीवन तलवार की धार पर चलने जैसा होता है। आज श्रावक धर्म तो कर रहा हे पर विकार मन से नहीं जा पा रहे हैं । आचार्य कहते हे परिणामों की एकाग्रता ही सामायिक होती है विकारों का नाम सामयिक नहीं है।आप मुझ से नहीं हमारी साधना से प्रभावित है लेकिन में आप से प्रभावित नहीं हु। क्योंकि संत का जीवन प्रभावित करने का नहीं प्रकाशित करने का होता है। आप हमारे पास आओगे प्रभावित होकर लेकिन संत आप को प्रकाशित कर के भेजेंगे। जीवन में मरने से पहले एक बार 10 उपवास जरूर करना समता नहीं हो तो जल लेकर करना पर करना जरूर में लिख के दे सकता हु तुम मरोगे नहीं.... महीने में एक बार.. महीने में नहीं तो..तीन माह में.. उसमें भी नहीं तो.. छः माह में..उसमें भी नहीं तो ..बारह माह में अपने परिवार के साथ कोई भी सिद्ध वो अतिशय क्षेत्रों के दर्शन करने जरूर जाना चाहिए और उस स्थान का पानी पीना चाहिए।

मैं लिख के दे सकता हूं तुम मरोगे नहीं: अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी

वेद ज्ञान

समाज सेवा की लगन

हर आदमी के जीवन में किसी न किसी बात की लगन होती है। यह लगन समाज सेवा से लेकर किसी भी प्रकार की हो सकती है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अनेक लोगों ने देश-प्रेम के चलते हंस-हंस कर प्राण गंवा दिए थे। अति यानी अधिकता नुकसानदेह होती है। किसी सीमा में रहकर यदि किसी प्रकार की लगन मन में लगा ली जाए तो यह जीवन को उमंगों से भर देती है। घर को, समाज या देश को बर्बाद कर देने वाले शौक अपने यहां वर्जित हैं। इनका त्याग स्वहित में भी जरूरी है। समाज है तो यहां लोग भी अनेक प्रकार के मिलेंगे। इन सबके शौक भी निश्चय ही अलग-अलग होंगे। यहां एक बात यह ध्यान देने योग्य है कि जो शौक सकारात्मक या रचनात्मक होते हैं, समाज उन्हें ही मान्यता देता है और लोग उसी की प्रशंसा भी करते हैं। जो शौक समाज में वर्जित हैं, जो विध्वंसात्मक हैं, जिनसे व्यक्ति या समष्टि को नुकसान पहुंचता है, उसका तुरंत परित्याग कर देना चाहिए। मुझे अच्छी तरह याद है कि एक असहाय और दीन व्यक्ति, जहां कहीं भी लावारिस लाशें देखता था, तुरंत लोगों से कुछ मांगकर उस लाश की अंत्येष्टि कर देता था। यह विचित्र प्रकार की लगन थी, लेकिन उसकी सोच सकारात्मक थी। समाज के लिए इसमें दया और करुणा का संदेश भी था। वह इस कर्म को भगवान की सेवा मानता था। उसके इस कार्य ने उसे सामान्य से खास व्यक्ति बना दिया, जबकि वह स्वयं लावारिस था। धरती उसका बिछौना और आसमान चादर था। उस व्यक्ति ने जीवन पर्यंत अपने इस शौक को जारी रखा। देश में अनेक लोगों ने अपने अच्छे शौकों के कारण बहुत ख्याति अर्जित की। चाहे वह विज्ञान का क्षेत्र हो या ज्ञान का। चाहे वह व्यक्ति का क्षेत्र हो या वैराग्य का। ज्ञानी को भगवान को जानने की लगन है तो वैज्ञानिक को मानवता की सेवा के लिए नए आविष्कारों की। इसी प्रकार भक्त भगवान के दर्शनों के लिए आतुर है तो विरागी त्याग को पराकाष्ठा पर पहुंचाने के लिए व्याकुल। भगवत चिंतन में मीरा और चैतन्य महाप्रभु इतने रम जाते थे कि नृत्य करने लगते थे। भगवान से उनकी लगन ही ऐसी थी। अच्छे लक्ष्यों और उद्देश्यों को सामने रखकर जो शौक पाले जाते हैं, वे समाज के लिए अनुकरणीय बन जाते हैं।

संपादकीय

भरोसे की कमी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर जिस तरह जनसुनवाई के दौरान राजेश भाई खीमजी भाई सकरिया नाम के व्यक्ति ने हमला किया, अपशब्दों का प्रयोग किया एवं पेशीय बल का प्रयोग किया वह चिंता का सबब है, और खतरनाक संकेत है कि हमारा लोकतंत्र सही दिशा में नहीं जा रहा। बेशक, ऐसी घटनाएं घोर निंदनीय हैं, लेकिन कई प्रश्न भी खड़े करती हैं। वैसे ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि इस तरह की घटना घटी हो। राजनीति की

खासियत रही है कि सत्ता पर कब्जे की लड़ाई में हर दल व नेता एक दूसरे पर कीचड़ उछालने में कोई भी कसर नहीं छोड़ता। सत्ता की लालसा के चलते दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में अक्सर राजनीतिक प्रदूषण का वीभत्स रूप बार-बार सामने आता रहा है। खूबियां व विपक्षी की कमियां गिनाना भी गलत नहीं है लेकिन इन सबके बीच जो गरिमा का पतन हो रहा है, जिस भाषा का प्रयोग किया जा रहा है, वह कहां तक जायज हैं? एक समय था जब शालीन तरीके से आलोचना करके, गद्दी हासिल की जाती थी पर अब तो बदमिजाजी, बदजुबानी व घटियापने की सारी हदें पार हो गई हैं। छुटभैये ही नहीं बड़े से बड़े नेताओं की जुबान पर भी गरिमाहीन शब्द चढ़ गए हैं। हर एक का मंतव्य एक ही कि जैसे भी हो बस चुनावी जंग जीत लो। अब जीते कोई भी पर भविष्य में लोकतंत्र के बहुत ही खतरनाक दौर का संकेत है यह। इससे पूर्व लोक सभा चुनावों में भी ऐसी ही बानगी देखने को मिली थी। वैसे यह गंदगी अभी की बात नहीं है। यह तो काफी पहले ही जन्म ले चुकी थी। कुछ अति वाचाल नेता असंसदीय व अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं, और ऐसे शब्द बाण चलाते रहे हैं, जो कदाचित सभ्य समाज को अस्वीकार्य होंगे। ठीक है, आक्रामक होना आपका अधिकार हो सकता है पर सर्वाजनिक जीवन में मर्यादाएं तार-तार करने का किसी का भी हक नहीं है, यह अब हमारे नेताओं को सिखाने की जरूरत हो गई है। नेताओं की भाषा या उस पर चुनाव आयोग की कार्यवाही के औचित्य पर टिप्पणी की बजाय आइए देखें कि कैसे भारतीय राजनीति में मर्यादा का स्थान जूतों, स्याही, कालिख, अंडे टमाटरों, थप्पड़ों, गालियों व असहिष्णु शब्दों ने ले लिया है। बीफ पार्टी देने पर विधायक राशिद की पिटाई हुई, उनके मुंह पर कालिख पोती गई, एक पाकिस्तानी किताब का विमोचन करवाने के दोषी सुधीर कुलकर्णी का मुंह काला किया गया, शरद पवार, अरविंद केजरीवाल और यहां तक कि बहुत ही विनम्र डॉ. मनमोहन सिंह पर भी पर जूता उछला, चिदंबरम पर चप्पल फेंकी गई, प्रशांत भूषण पिटे, अन्ना पर भी वार हुआ, दिग्विजय को गालियां मिलीं, केजरीवाल को चप्पल, थप्पड़ व स्याही मिले, गोपाल यादव का मुंह काला किया गया और भी ऐसे कितने ही उदाहरण दिए जा सकते हैं। आखिर हम कर क्या रहे हैं? किस युग में जी रहे हैं? और किस अंधयुग की तरफ जा रहे हैं? किसी भी तर्क का सहारा लेकर जूतों, थप्पड़ों, गालियों को लोकतंत्र में सही नहीं ठहराया जा सकता परंतु सोचने वाली बात यह भी है कि ऐसी स्थिति आती ही क्यों हैं, गहरी छानबीन की जरूरत है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

शंघाई सहयोग संगठन

चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का अब तक के इतिहास का सबसे बड़ा शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। 31 अगस्त से एक सितंबर तक चलने वाले इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सहित दुनिया के बीस से अधिक देशों के नेता तथा दस अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। अमेरिका की ओर से भारत, चीन और ब्राजील समेत कई देशों पर शुल्क लगाने की घोषणा के बाद इस सम्मेलन को कई मायनों में महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है। इसे अमेरिकी नीति के बरक्स लामबंदी के रूप में भी देखा जा रहा है रूस तो पहले से ही भारत के साथ है, लेकिन अब शुल्क के मुद्दे पर चीन भी सहयोग की मुद्रा में है। संभव है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सम्मेलन से इतर चीन और रूस के राष्ट्र प्रमुखों से मुलाकात होगी और इस दौरान द्विपक्षीय मसलों के अलावा शुल्क के मुद्दे पर भी एकजुट होने को लेकर चर्चा हो सकती है। जाहिर है, अगर ऐसा हुआ तो इससे अमेरिका के उन प्रयासों को झटका लगेगा, जिनके तहत वह दूसरे देशों पर अपनी मनमानी व्यापार नीतियां थोपकर निजी हित साधने का मंसूबा पाले हुए है। एससीओ एशिया का सबसे बड़ा क्षेत्रीय संगठन है, जिसका मकसद सुरक्षा, आर्थिक विकास और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देना है। इस संगठन के सम्मेलन समय- समय पर होते रहते हैं, लेकिन दुनिया में बदल रही भू- राजनीतिक परिस्थितियों के बीच इस बार के सम्मेलन को बहुत अहम माना जा रहा है। इस दौरान तीन बड़ी शक्तियां रूस, चीन और भारत के राष्ट्राध्यक्ष एक मंच पर होंगे। दुनिया की राजनीति में यह बदलाव अमेरिका राष्ट्रपति ट्रंप की शुल्क नीति और ब्रिक्स को लेकर उनके रुख के बाद सामने आया है। बताया जा रहा है कि इस सम्मेलन में सदस्य देशों के बीच सहयोग बढ़ाने और संगठन के विकास की नई रणनीतियों का खाका तैयार किया जाएगा। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि भारत, चीन और रूस के राष्ट्र प्रमुखों का एक साथ आना इस बात का संकेत है कि ये तीनों अमेरिका से अलग-अलग स्तर पर असहमत हैं और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को आगे बढ़ाने के पक्ष में हैं। हालांकि, यह बात छिपी नहीं है कि भारत और चीन के बीच पारंपरिक रूप से संबंध ज्यादा प्रगाढ़ नहीं रहे हैं, लेकिन अमेरिकी शुल्क के एलान के बाद से दोनों देशों के बीच नजदीकियां नजर आने लगी है। शुल्क के मुद्दे पर चीन की ओर से भारत का खुलकर समर्थन किया जा रहा है। इसी क्रम में हाल में चीन के विदेश मंत्री भारत दौरे पर आए थे और इस दौरान कई मसलों पर सार्थक बातचीत हुई। यानी अब भारत-चीन रिश्ते, तनाव से संवाद की तरफ बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। वर्ष 2020 के गलवान विवाद के बाद पहली बार प्रधानमंत्री मोदी चीन यात्रा पर जा रहे हैं। यह यात्रा सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि भारत-चीन संबंधों में एक नई शुरूआत की उम्मीद है। उधर, रूस भी इस बात की तस्दीक कर चुका है कि भारत पर शुल्क को लेकर अमेरिकी दबाव पूरी तरह अनुचित है। ऐसे में कहा जा रहा है कि एससीओ सम्मेलन में तीनों देशों के बीच ऊर्जा, सुरक्षा और तकनीक पर नए समझौते होने की भी संभावना है। यह व्यापार के लिए नए बाजार सुनिश्चित करने की कवायद हो सकती है, जो निश्चित रूप से अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को कम करने की दिशा में बढ़ा कदम होगा।

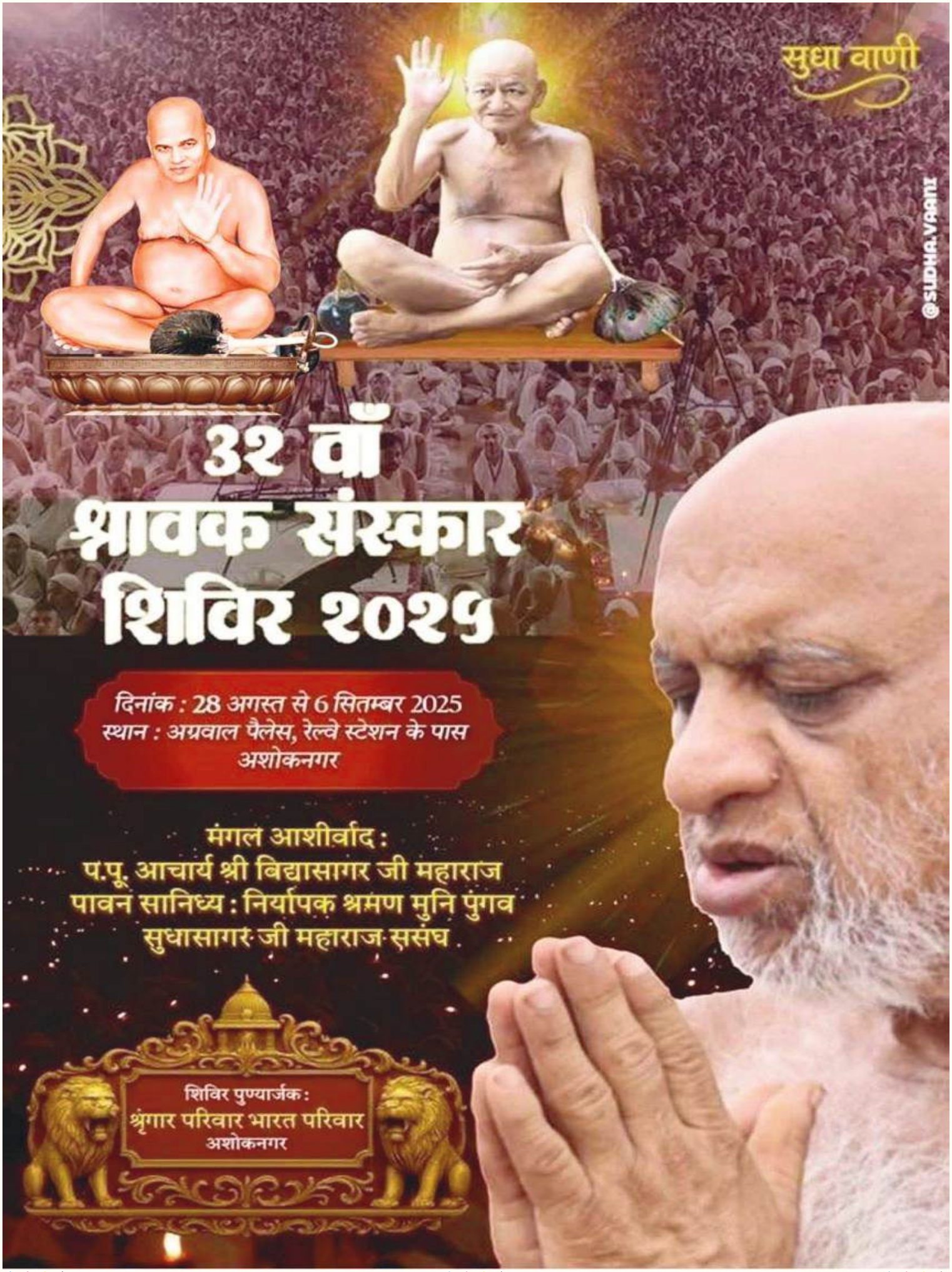
सुधा वाणी
@SUDHA.VAANI
३२ वाँ
श्रावक संस्कार
शिविर २०२५
दिनांक : 28 अगस्त से 6 सितम्बर 2025
स्थान : अग्रवाल पैलेस, रेल्वे स्टेशन के पास
अशोकनगर
मंगल आशीर्वाद :
प.पू. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज
पावन सानिध्य : निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव
सुधासागर जी महाराज ससंघ
शिविर पुण्यार्जक :
श्रृंगार परिवार भारत परिवार
अशोकनगर

ब्रह्माकुमारी द्वारा 'उत्सर्ग अभियान' के अंतर्गत रक्तदान शिविर का आयोजन

भिंड. शाबाश इंडिया

ब्रह्माकुमारी संगठन द्वारा 'उत्सर्ग अभियान' के अंतर्गत आज भिंड में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन विश्व बंधुत्व दिवस तथा ब्रह्माकुमारी की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में किया गया। इस अवसर पर 36 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर समाजसेवा का प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। इस अभियान का राष्ट्रीय शुभारंभ 11 अगस्त को दिल्ली में भारत सरकार के केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जे. पी. नड्डा द्वारा किया गया था। उत्सर्ग अभियान के तहत भारत और नेपाल के 1500 से अधिक ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्रों पर 22 से 25 अगस्त तक बड़े

स्तर पर रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इस अभियान का उद्देश्य एक लाख यूनिट रक्त संग्रह करना और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। साथ ही, यह अभियान विश्व रिकॉर्ड बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भिंड में आयोजित इस शिविर में विशेष रूप से डी.एम. भिंड संजीव श्रीवास्तव, सी.एम.एच. ओ. डॉ. जे. एस यादव, राजयोगिनी ब्रह्मा कुमारी मीरादीदी , सत्यम, विनीता, अर्चना, रेनू, शकुंतला, निधि, अंजलि, रामायणी बहन सहित अनेक गणमान्यजन मौजूद रहे। अनिल ओझा, शैलेंद्र ओझा, नरेश सिंह नरवरिया, लज्जाराम प्रजापति, लक्ष्मी साहू और मुन्नी वर्मा ने भी अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज की। वहीं संजीवनी रक्तदान संगठन से बबलू सिंधी और दीपक चावला ने भी विशेष सहयोग प्रदान किया। वक्ताओं ने अपने संदेश में कहा कि रक्तदान मानव जीवन की सबसे बड़ी सेवा है। इस अभियान से न केवल रक्त की कमी को दूर करने में मदद मिलेगी, बल्कि समाज में सेवा, त्याग और विश्व बंधुत्व की भावना भी प्रबल होगी।

श्री 1008 शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, धावास

शांतिनाथ मार्ग, विष्णु विहार, धावास, अजमेर रोड, 200 फीट बाई पास, जयपुर

दशलक्षण महापर्व - 2025

सुगन्ध-दशमी के पावन अवसर पर

भव्य सजीव झाँकी

गिरनार का सच

जैनत्व जगाओ...

तीर्थ बचाओ

मंगल आशीर्वाद

परम पूज्य राष्ट्रसंत, चतुर्थ पट्टाधीश आचार्य श्री 108 सुनीलसागर जी मुनिराज

दिनांक : 2-3-4 सितम्बर, 2025

समय : सायं 5.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक

आइए..
आप और हम सब मिलकर
इस भव्य सजीव झांकी का अवलोकन कर
जैनत्व जगाने की इस मुहिम में
अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें
और अपने तीर्थों की रक्षा का संकल्प लें।

झाँकी उद्घाटनकर्ता

श्रेष्ठी श्री बनवारी लाल जी-विपिन लता जी सिंघल
पूर्व विधायक अलवर शहर

मुख्य अतिथिगण :
श्री जोराराम कुमावत, माननीय पशुपालन एवं डेयरी मंत्री
श्री कन्हैयालाल चौधरी, माननीय जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री
श्री गोविन्द सिंह डोटासरा, माननीय अध्यक्ष, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी
श्री हीरालाल नागर, माननीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
श्री लालचन्द कटारिया, माननीय पूर्व केन्द्रीय मंत्री
श्री राव राजेन्द्र सिंह, माननीय सांसद, जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र

विशिष्ट अतिथिगण :

दश लक्षण पर्व सान्निध्य
ब्र. पूर्णिमा दीदी
ब्र. सुमन दीदी

परम संरक्षक
श्री गजेन्द्र कुमार जी, प्रवीण जी, विकास जी बड़जात्या

संरक्षक एवं संयोजक (मंदिर निर्माण समिति)
श्री जय कुमार जैन बड़जात्या
9414323692

श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति, धावास

संरक्षक	प्रमुख सलाहकार	अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	मंत्री	कोषाध्यक्ष	सह कोषाध्यक्ष	सहमंत्री	सहमंत्री
ललित कुमार काला	विजय कुमार सेठी	सुरेन्द्र कुमार बैद	प्रमोद कुमार काला	मितेश तोतिया	हेमेन्द्र तुहाड़िया	आशीष छाबड़ा	मनोज जैन	नरेन्द्र गोधा
8949650217	8058226878	9352023255	9928501979	9461304888	9610004123	636400203	9828065093	9024145763

कार्यकारिणी सदस्य - नेमीचन्द जैन, श्रीमती सीमा-मनोज बड़जात्या, कमल जैन, पारस जैन, भंवरलाल जैन, अभिषेक जैन गर्ग, हेमराज जैन, नरेश सोनाणी, श्रीमती रीता-देवेन्द्र जैन, विनय कुमार जैन

निवेदक - श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन महिला मण्डल, धावास, जयपुर एवं सकल दिगम्बर जैन समाज, धावास

सहयोगी मण्डल - * श्री वीर सेवक मण्डल, जयपुर, * संगीतकार मुकेश महुआ एण्ड पार्टी, बांके बिहारी झांकी वाला, बड़ौत

EnactraX
MASTER YOUR SKILLS
A Venture of Pragya
SPECTA
QUARTZ SURFACES
A unit of ARL Infratech Ltd.
WONDER CEMENT
FARQ NAZAR AAYEGA
SHRAMAN SHRUT SEVA SANSTHAN
PRESENTS & POWERED BY
ROTARY CLUB JAIPUR CITIZEN
Co-Powered By
JEPEE
Co-Powered By
MARUTI CASTINGS
30 HOURS NON-STOP SPEECH
THE BIGGEST OPPORTUNITY OF YOUR LIFE
9H
LISTEN FOR 9 HOURS
MAKE WORLD RECORD
SAURABH JAIN
MOTIVATIONAL SPEAKER
Sunday, 9th Nov. 2025
TIME: 8:00 AM (9th Nov) 2:00 PM (10th Nov)
VENUE: BIRLA AUDITORIUM STATUE CIRCLE, JAIPUR.
: 9376-115577, 70731- 88666
Missed Call For Registration
+91 9588838868
: https://l1nq.com/saurabh
In Association With
ETHNIC COTLER
Readiprint
NAV
Vandanam Group
M.S. Jewellers
cityvibes
Vivek-Asha Kala
Jyoti Kumar-Indu Maheshwari
K M Trans Logistics Pvt Ltd
FLO
Kogta FOUNDATION
ANANTARA
JEEVAN REKHA
USHA TEXTILE
Supported By
Shree Jain Roadways
Thaper DENTAL CLINIC
ASHMITA JAINN
ocean home
GLORY
SAFARI GROUP
lawline
For More Info.

ब्यावर में गुरु-चरण विराजमान महोत्सव का भव्य आयोजन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री दिगंबर जैन पंचायती नसियाँ में आज संत शिरोमणि आचार्य 108 श्री विद्यासागर जी महामुनिराज की चरण छत्री में चरण कमल विराजमान महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर पूज्य आचार्य श्री के चरण कमल को उनकी चरण छत्री में स्थापित किया गया। समाज के प्रवक्ता अमित गोधा ने बताया कि आज कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह श्री दिगंबर जैन पंचायती नसियाँ में हुआ जहाँ चंद्रप्रभु भगवान का का रजत कलशों से अभिषेक श्रावकों द्वारा किया गया है इसके बाद विद्या गुरु विधान पूजन प्रारंभ हुई। पूजन के उपरांत वीर कुमार कमल कुमार सन्मति राँवका परिवार द्वारा संत शिरोमणि आचार्य 108 श्री विद्यासागर जी महामुनिराज के चरण कमल को उनकी चरण छत्री में विराजमान किया गया। इस दौरान पंडित घनश्यामदास के सानिध्य में और संगीतकार अंकित जैन पाटनी, अजमेर के मधुर संगीत के बीच यह कार्य सम्पन्न हुआ। इस पूरे विधान और उसके बाद आयोजित वात्सल्य भोज के प्रायोजक रावंका परिवार थे। इस पुण्य अवसर पर सकल जैन समाज के बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने उपस्थित होकर सातिशय पुण्य अर्जित किया। इस अवसर पर श्री दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष अशोक काला, मंत्री दिनेश अजमेरा, विजय फागीवाला, लादुलाल जी गंगवाल, सुमन धगडा, राजकुमार पहाड़िया, जम्बूकुमार रावका, चन्द्रप्रकाश गोधा, शशिकांत गदिया, अमित गोधा, संजय रावका, संजय गंगवाल, वीरेंद्र गोधा, अक्षत कटारिया, अतुल पाटनी, आशीष बाकलीवाल, संदीप पाटनी, कमल जैन, कल्पेश जैन, नवीन बाकलीवाल, प्रवीण गोधा, प्रमोद रांवका, चंद्रेश रांवका, उज्ज्वल काला, मनोज सोगानी, सुशील बडजात्या, श्रीपाल अजमेरा, राहुल गदिया, मनोज कासलीवाल, मोहित जैन उपस्थित रहे। यह आयोजन समाज के लिए एक अविस्मरणीय और प्रेरणादायक क्षण बन गया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

क्या रात का बचा खाना वाकई जहर है? आयुर्वेद क्या कहता है?

दोस्तों, अक्सर आपने सुना होगा ''रात का बासी खाना मत खाओ, वो सेहत के लिए हानिकारक है'' लेकिन क्या ये सिर्फ.दादी-नानी की बात है या सच में इसके पीछे आयुर्वेद का कोई गहरा विज्ञान है?

आयुर्वेद का मत

आयुर्वेद में बासी भोजन को 'पुनःउष्णीत' (यानि बार-बार गर्म किया हुआ खाना) कहा गया है।
चरक संहिता (सूत्रस्थान 5/12) में स्पष्ट लिखा है कि 'नवन्नं बलवर्धनम्, पूतिमन्नं रोगकरम्' यानि ताजा भोजन बल (ऊर्जा) को बढ़ाता है, जबकि बासी खाना रोगों को जन्म देता है।

क्यों है हानिकारक?

बासी खाना पचने में भारी होता है। उसमें आम बनने की संभावना बढ़ जाती है। बार-बार गर्म करने से उसमें मौजूद प्राकृतिक रस और पोषण नष्ट हो जाता है।

कब अपवाद माना गया है?

आयुर्वेद में कुछ चीजों को बासी रूप में भी अच्छा माना गया है। जैसेः पकाया हुआ चावल (अगर रातभर पानी में भिगोकर रखा जाए तो सुबह ये प्रोबायोटिक जैसा काम करता है)। दही (एक दिन पुराना दही अगले दिन और भी गुणकारी माना गया है)।

सरल उपाय

कोशिश करें कि खाना हमेशा ताजा बनाकर खाएं। अगर कभी मजबूरी में बासी खाना खा भी रहे हैं तो उसमें थोड़ा अदरक, काली मिर्च या नींबू जरूर डालें ये पाचन में मदद करेंगे।

निष्कर्ष

आयुर्वेद साफ कहता है कि 'ताजा भोजन ही औषधि है और बासी भोजन रोग का कारण' लेकिन कुछ खाद्य पदार्थों को सही तरह से संरक्षित करने पर वो भी सेहतमंद हो सकते हैं। प्रमाणः चरक संहिता, सूत्रस्थान अध्याय 5,

-डा पीयूष त्रिवेदी ,आयुर्वेद मर्म विशेषज्ञ,जयपुर ।

नेतृत्व एवं सम्प्रेषण पर कार्यशाला

रोहित जैन। शाबाश इंडिया

नसीराबाद। स्थानीय पी.एम.श्री. केंद्रीय विद्यालय नसीराबाद में शिक्षकों के सतत पेशेवर विकास के क्रम में अल्पावधि कार्यशाला का आयोजन किया गया । अधिक जानकारी देते हुए कार्यवाहक कन्वेनर विजय कुमार ने बताया कि प्रथम चरण में रिसोर्स पर्सन दीपक वर्मा ने नेतृत्व के संबंध मे प्रशिक्षण दिया उन्होंने विभिन्न नेतृत्व शैलियों से परिचय करवाते हुए कक्षा मे नेतृत्व शैलियों का प्रयोग करते हुए शिक्षण को प्रभावी बनाने पर प्रशिक्षित किया द्वितीय चरण मे उन्होंने सम्प्रेषण विषय के संबंध मे विस्तार से बताया जिसमे प्रेषक , संदेश, एंकोडिंग, माध्यम, डिकोडिंग, प्राप्तकर्ता एवं सम्प्रेषण मे बाधाये को समझाते हुए सम्प्रेषण को प्रभावी बनाने के बारे मे प्रशिक्षण प्रदान किया ! जिसमे प्राइमरी और सेकंडरी विंग के स्टाफ सदस्यों द्वारा भाग लिया गया । कार्यक्रम निदेशक आर. सी. मीना और को कंवेनर अजय कुमार ने कार्यशाला के सफल संचालन पर खुशी व्यक्त की । विषयों का चयन गाइडलाइन के अनुसार सी.पी. डी. प्रभारी दीपक वर्मा द्वारा किया गया।

श्री बामणिया बालाजी धाम का मेला धूमधाम से भरा, रात्रि को हुई भजन संध्या

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। नसीराबाद क्षेत्र के ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल श्री बामणियां बालाजी धाम मन्दिर का वार्षिक मेला सोमवार को बड़े धूमधाम से भरा। इसके एक दिन पूर्व 24 अगस्त, रविवार को भजन संध्या हुई । भजन संध्या की सांय को देरांठू हिन्दू युवा वाहिनी सदर बाजार द्वारा बाहुबली हनुमान व वानर सेना के साथ गाजे बाजे के साथ झण्डा लेकर आये। साथ ही ढाबा मोहल्ला, नसीराबाद के जागेश्वर महादेव मंदिर व भटियाणी से भी भक्त गण गाजे बाजे के साथ झण्डे लेकर आये ।वहीं आज सोमवार को मेले के दिन देरांठू के ढाबा मोहल्ला, फडौल्या मोहल्ला, गवारियां समाज , नये शिव मन्दिर, नसीराबाद के राजनारायण रोड स्थित शिव मन्दिर, भटियाणी, चाट , मगंरी , लोहरवाड़ा आदि से भी गाजे बाजे के साथ बालाजी के झण्डे आये । इस अवसर पर बालाजी महाराज के विशेष चौला चढ़ाकर फूलों व गुब्बारा से आकर्षक श्रृंगार कर बाबा की झांकी सजाई गई। मेले के अवसर पर सुबह 9 बजे से संगीतमय सुन्दरकाण्ड का पाठ हुआ , उसके पश्चात बालाजी महाराज के 56 व्यंजनों का भोग लगाया गया। वहीं 24 अगस्त की रात्रि को आयोजित भजन संध्या में बहार से आये कलाकारों द्वारा एक से बढ़कर एक बालाजी के भजन प्रस्तुत किए गए । मेले में आये ग्रामीण महिला पुरुषों ने मेरे में लगी मणिहारी, खिलोने आदि की दुकानों से जमकर खरीदारी करी वह मेले में लगी चाट , पकोड़ी , मिठाईयों की दुकानों पर भी ग्रामीणों की भीड़ लगी रही। मन्दिर पुजारी परिवार ने सहयोगी सभी भक्त जनों का दुपट्टा ओड़ाकर स्वागत किया। मेले विधायक रामस्वरूप लाम्बा, पंचायत समिति श्री नगर प्रधान श्री मति कमलेश गुर्जर, उपखण्ड अधिकारी देवीलाल यादव ने बालाजी महाराज के दर्शन कर धोक लगाई।

ज्ञानवर्धक तीर्थंकर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में 250 प्रतियोगी हुए शामिल

युगल मुनिराजों का रहा सान्निध्य एवं निर्देशन

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। समाज में धर्म के प्रति रुचि जागृत कराने, ज्ञानार्जन एवं अपने आराध्य के व्यक्तित्व से रूबरू कराने के उद्देश्य से तीर्थंकर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन 24 अगस्त को बड़े जैन मंदिर में किया गया। तीर्थंकर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के मुख्य संयोजक विद्वत नवनीत शास्त्री, संयोजक डॉ. मनोज जैन एवं विमल जैन बबलू द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार पूज्य आचार्यश्री आर्जवसागरजी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री विलोकसागर जी महाराज एवं मुनिश्री विबोधसागर जी महाराज की पावन प्रेरणा एवं आशीर्वाद से उन्हीं के सान्निध्य में 24 अगस्त को शाम 06 बजे से 07 बजे तक बड़े जैन मंदिर में भूत भविष्य एवं वर्तमान के तीर्थंकरों के जीवन चरित्र, व्यक्तित्व व कृतित्व आधारित ज्ञानवर्धक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिसमें 08 वर्ष से लेकर 90 वर्ष तक के लगभग 250 साधर्मी बंधुओं, माताओं, बहिनों, युवा साथियों एवं बच्चों ने अति उत्साह के साथ भाग लिया । इस प्रतियोगिता को उम्र के हिसाब से तीन चरणों में विभाजित किया गया था। सभी तीनों श्रेणियों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार अलग अलग प्रदान किए जायेगें । मंदिर कमेटी एवं आध्यात्मिक वषायोग समिति के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता में 100 प्रश्न रखे गए थे । इस प्रतियोगिता में 150 प्रश्नों की एक प्रश्नोत्तरी तैयार की गई थी, जिसमें से प्रश्नोत्तरी में 100 प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रतियोगिता में 100 में से 100 अंक लाने वाले प्रतियोगियों को चांदी की माला से सम्मानित किया जाएगा एवं 90 अंक अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले सभी प्रतियोगियों को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा । प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी को पुण्यार्जक यतींद्रकुमार संजय रेखा जैन परिवार मुरैना एवं लालजीराम लखमीचंद जैन बानमौर की ओर से पुरस्कार वितरित किए जाएंगे। इस प्रतियोगिता के आयोजन के समय स्वयं परम पूज्य मुनिश्री विलोकसागरजी, मुनिश्री विबोधसागरजी महाराज एवं ब्रह्मचारी राहुल जैन गंज बासौदा स्वयं उपस्थित होकर प्रतियोगियों को निर्देशन दे रहे थे। प्रतियोगिता के संयोजक डॉक्टर मनोज जैन ने बताया कि प्रतियोगिता के सफल एवं सुचारू रूप से संचालन में प्रेमचंद जैन वंदना साड़ी, वीरेंद्र जैन, विमल जैन बबलू, दिनेश जैन एडवोकेट, राकेश जैन शास्त्री, अनिल जैन गढ़ी, अनूप भंडारी, राकेश जैन बिचपुरी, युगल जैन, प्रशांत जैन का विशेष सहयोग रहा ।

महावीर पब्लिक स्कूल के छात्रों ने योगा में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान राज्य योगासन स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप में महावीर पब्लिक स्कूल,सी-स्कीम जयपुर के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अनेक पदक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है।यह चैम्पियनशिप भीलवाड़ा में 22 से 24 अगस्त को हुई, जिसमें विद्यालय से 6 छात्रों ने भाग लिया था। इस चैम्पियनशिप में छात्रों ने विभिन्न आयु वर्गों में कई पदक जीते -16 से 18 आयु वर्ग में 11वीं कक्षा के विनीत टेकवाल ने प्रथम स्थान के साथ स्वर्ण पदक एवं कुश बुलीवाल ने तृतीय स्थान पर रहकर कांस्य पदक प्राप्त किया। 14 से 16 आयु वर्ग में नवीं कक्षा के गर्वित गुप्ता ने प्रथम स्थान के साथ स्वर्ण पदक प्राप्त किया। 12 से 14 आयु वर्ग में आठवीं कक्षा के प्रणव गौड़ ने प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक एवं अंश जैन ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। 12 से 14 आयु वर्ग में 7वीं कक्षा के आदित्य कुमार ने द्वितीय स्थान के साथ रजत पदक प्राप्त करके विद्यालय का गौरव बढ़ाया।अत्यंत हर्ष का विषय है कि इन छात्रों को राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के लिए चुना गया है। छात्रों के प्रतिभाशाली योग गुरु प्रियांशु जैन ने भी 18 से 21 आयु वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त करके योग्य गुरु होने का परिचय दिया है। विद्यालय के अध्यक्ष उमराव मल संघी,मानद् मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला, संयोजक सुदीप ठोलिया, कार्यकारिणी सदस्यों एवं प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने छात्रों की इस उपलब्धि के लिए उन्हें बहुत-बहुत बधाई दी तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

प्रत्यक्ष महावीर बालाजी सेवा समिति ने किया भंडारे का आयोजन

हजारों लोगों ने प्रसाद किया ग्रहण

आयुष पाटनी. शाबाश इंडिया

जोधपुर। नारवा स्थित ओसवाल समाज भवन में प्रत्यक्ष महावीर बालाजी सेवा समिति द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें प्रतिदिन हजारों लोगों ने प्रसादी का लाभ उठाया। आयोजक अमित गोदावत ने बताया कि ये हमारा पहला भंडारे का आयोजन था इस भंडारे में बाबा के जातुरूओं के लिए प्रतिदिन अलग अलग प्रकार के भोजन, दवाइयां, मालिश, मोबाइल चार्जर की सुविधा एवं ठहरने एवं नहाने के लिए उत्तम व्यवस्था की गई थी जिससे बाबा के भक्तों ने लाभ उठाया । भंडारे के आयोजन में। प्रतिदिन 8 से 10 हजार भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया एवं इस आयोजन में अंकुरिता, रिधान, जीविशा, लोकेंद्र वैष्णव सहित कई बाबा के भक्तों ने सहयोग किया, बाबा के भंडारे के लिए श्री बाबा रामदेव ओसवाल सेवा समिति द्वारा जगह उपलब्ध करवाने एवं सहयोग करने पर धन्यवाद ज्ञापित किया ।

श्री गणेश मंदिर का 25वां महोत्सव 26 अगस्त से 1 सितंबर तक

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। शहर के वार्ड नंबर 3 स्थित श्री गणेश मंदिर में श्री गणेश जन्मोत्सव के पावन पर्व पर सात दिवसीय रजत महोत्सव 26 अगस्त से 1 सितंबर तक बड़े ही धूमधाम से मंदिर प्रांगण में मनाया जाएगा। यह जानकारी श्री गणेश सेवा समिति ट्रस्ट के प्रवक्ता सोनू गर्ग ने दी। उन्होंने बताया कि रजत महोत्सव मंगलवार 26 अगस्त को कलश व ध्वजा शोभायात्रा से शुरू होगी जो दोपहर 3:15 बजे श्री बालाजी धाम बगीची मंदिर नोहर रोड से शुरू होकर अनाज मंडी,पंचमुखी चौक,मुख्य बाजार से होते हुए ममेरा चौक, गांधी चौक,चौधरी देवीलाल चौक में से होते हुए शाम को मंदिर प्रांगण में पहुंचेगी व रात्रि 8:15 बजे बाबा की मेहन्दी कार्यक्रम होगा। अगले दिन 27 अगस्त बुधवार को सुबह 9:15 बजे श्री गणपति मुर्ति स्थापना पूजन एवं श्री गणेश कथा का आयोजन जगदीश राय चमड़िया परिवार द्वारा किया जाएगा व दोपहर 4:15 बजे से 6:15 बजे तक गायक सिकन्दर सागर ऐलनाबाद द्वारा सामूहिक श्री गणेश चालीसा का पाठ किया जाएगा व रात्रि 9:15 बजे गायक ख्वाहिश कपूर फतेहाबाद द्वारा विशाल जागरण किया जाएगा जोकि प्रभु इच्छा तक चलेगा। 28 अगस्त बृहस्पतिवार को दोपहर 4:15 बजे से 6:15 बजे तक श्री राम शरणम्-आश्रम ऐलनाबाद द्वारा अमृतवाणी पाठ किया जाएगा व रात्रि 9:15 बजे गायक विशू गर्ग अबोहर द्वारा विशाल जागरण किया जाएगा जो कि प्रभु इच्छा तक चलेगा। 29 अगस्त शुक्रवार को दोपहर 4:15 बजे से 6:15 बजे तक श्री राधा माधव संकीर्तन मंडल ऐलनाबाद द्वारा संगीतमय श्री सुन्दरकाण्ड का पाठ किया जाएगा व रात्रि 9:15 बजे गायक सुनील नामदेव आदमपुर द्वारा विशाल जागरण किया जाएगा जो कि प्रभु इच्छा तक चलेगा।

प्रथमचार्य श्री शान्तिसागर जी आचार्य का 70वां समाधि दिवस श्री शांतिवीर जैन गुरुकुल में मनाया गया

आयुष पाटनी. शाबाश इंडिया

जोबनेर । श्री शान्तिवीर जैन गुरुकुल में युगप्रवर्तक, चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री 108 शान्तिसागर जी महाराज का समाधि दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया।मिक्की बड़जात्या ने बताया कि गुरुकुल के अध्यक्ष मदन काका जैन, मंत्री महेंद्र जैन कोषाध्यक्ष माणक जैन एवं अन्य ने आचार्य श्री के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर आचार्य श्री के जीवन चरित्र का संक्षिप्त गुणानुवाद प्रस्तुत करते हुए बताया गया कि उन्होंने दिगम्बर साधु परम्परा का पुनरुद्धार कर तप, संयम, त्याग और आदर्श चारित्र की अमिट छाप समाज को दी। सभा में वक्ताओं ने कहा कि आचार्य श्री ने अपने जीवन में कठोर तपश्चर्या, धर्मश्रद्धा और उपसर्गों को समभावपूर्वक सहन करते हुए मुनि धर्म का उज्ज्वल आदर्श स्थापित किया। उन्हें ''चारित्र चक्रवर्ती'' की उपाधि तथा ह्लगुरुणा गुरुह्व की विशेष पहचान प्राप्त हुई। अंत में विद्यार्थियों एवं स्कूल स्टाफ सहित सभी उपस्थित जनों ने मौन रखकर समाधि दिवस पर अपनी भावपूर्ण श्रद्धा व्यक्त की।

जैन धर्मायतनों एवं पुरातत्व के संरक्षण की मुनि पावन सागर महाराज सहित जैन समाज ने की मांग

सरकारी सिस्टम से व्यथित होकर दिगंबर जैन मुनि पावन सागर महाराज 3 सितंबर से सचिवालय के बाहर करेंगे आमरण अनशन

भारत के स्वतंत्र होने के 78 वर्ष पश्चात भी तहसील मुंडावर जिला खेरथल- तिजारा स्थित बेहरोज गांव में ग्राम वासियों एवं जैन समाज को आज तक नहीं मिला जमीनों का हक

जयपुर. शाबाश इंडिया

सभी धर्मों के साधु संतों का सम्मान करने का दम भरने वाली तथा राजस्थान में सनातनी सरकार होने के बावजूद भी संसार में सबसे ज्यादा त्याग तपस्या करने के लिए प्रसिद्ध एक दिगम्बर जैन संत को जैन धर्म, संस्कृति एवं पुरातत्व तथा जिनायतनों की रक्षा एवं ग्राम वासियों को उनका हक दिलाने, जैन मंदिरों का जीर्णोद्धार कार्य करवाने के लिए की गई मांग पर अब तक कार्यवाही नहीं किये जाने के क्रम में सरकारी सिस्टम से व्यथित होकर आगामी 3 सितम्बर से आमरण अनशन करने जैसा कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। ऐसे दिगम्बर जैन संत मुनि पावन सागर महाराज जिनका वर्तमान में जयपुर के गायत्री नगर के महारानी फार्म स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर में वर्षायोग चल रहा है। यह कदम मुनि पावन सागर महाराज अकेले नहीं बल्कि उनके ही संघ में दूसरे मुनिराज सुभद्र सागर तथा बडी संख्या में जैन बंधुओं को भी उठाना पड रहा है। श्री दिगम्बर जैन मंदिर महारानी फार्म प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष कैलाश चन्द छाबड़ा एवं मंत्री राजेश बोहरा ने सोमवार को संवाददाताओं को सम्बोधित करते हुए बताया कि भारत देश की स्वतंत्रता के 78 साल बाद भी बेहरोज के सभी धर्मों के ग्रामवासियों को उनकी जमीन का हक आज तक भी नहीं मिला है। वहीं दूसरी ओर बेहरोज में स्थित जैन मंदिरों के जीर्णोद्धार कार्य करवाने की अनुमति भी प्रशासन ने आज तक भी नही दी है। उन्होंने प्रकरण की जानकारी देते हुए विस्तार से बताया कि अरावली पर्वत श्रृंखलाओं की तलहटी में अवस्थित प्राकृतिक सौंदर्य से संपन्न चारों ओर पहाड़ों से घिरा हुआ हजारों वर्षों से स्थित गांव बहरोज तहसील मुंडावर जिला खैरथल अलवर में स्थित है गांव वालों एवं जैन समाज के लोगों को आज तक स्वतंत्रता के 78 वर्ष बाद भी उनको उनकी जमीन का हक नहीं मिल पाया है। गांव वालों ने कई बार प्रयास किया। प्रशासन से, मंत्रियों से संपर्क किया कि उनको उनका हक दिलाया जाए लेकिन प्रशासन के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। मजबूर होकर दिगंबर जैन मुनि पावन सागर महाराज को आमरण अनशन करने की घोषणा करनी पड़ी। उल्लेखनीय है कि ग्राम बेहरोज में जैन आबादी होने, उनके मकान, जमीन, जैन धर्मायतन आदि वर्षों पूर्व से होने के प्रमाण ग्राम वासियों एवं जैन समाज द्वारा प्रशासन को उपलब्ध करवाए जा चुके हैं। श्री छाबड़ा बताते हैं कि किसी समय इस गांव में 900 घर की जैन समाज थी। मुगलों के समय एक ही दिन में पलायन करके सारे जैन वहां से चले गए। उनके वह स्थान और मंदिर आज भी जीर्ण - शीर्ण अवस्था में पड़े हुए हैं। उनके मकान पहाड़ की तलहटी पर थे। उन मकानों पर मुगलों ने कब्जा कर लिया। सन 1947 में भारत आजाद हुआ, उस समय सभी मुसलमान भी बेहरोज छोड़कर पाकिस्तान चले गए लेकिन जैन समाज के लोगों की धरोहर आज भी वही की वही पड़ी हुई है। सारे मंदिरों व मकान के खंडहर भी वहां पड़े हुए हैं। जैन समाज ने उन मंदिरों का जीर्णोद्धार करने के लिए प्रशासन से अनुमति भी मांगी थी लेकिन प्रशासन ने मना कर दिया। क्योंकि पूरा गांव और खंडहर की जगह राजस्व जमीन के अंतर्गत आता है। इसलिए हमें वहा मंदिरों का जीर्णोद्धार करने से मना कर दिया। वन विभाग वाले भी वहां पर काम नहीं करने देते। जैन समाज एवं गांव वालों के साथ पिछले 12 साल से लगातार दिगम्बर जैन मुनि पावन सागर महाराज उनका हक दिलाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। उनके हको की लड़ाई लड़ रहे हैं। बेहरोज गांव की पूरी जमीन का क्षेत्रफल 70.5 बीघा है। वह जमीन "शामलात देह" (गांव की जमीन) संवत 1999 (ईस्वी सन 1942) में गैर मुमकिन आबादी लिखी है लेकिन सर्वे संवत 2029 (ईस्वी सन 1972) में गैर मुमकिन आबादी की जगह को गैर मुमकिन पहाड़ बना दिया और सन 2012 के बाद जमीन को गैर मुमकिन बेहड बना दिया। इसके अतिरिक्त गांव की जमीन है वह कस्टोडियन के अंतर्गत है। सरकार को पूरी लिस्ट और नक्शे सहित पूरे कागजात दे दिए है। यदि कस्टोडियन जमीन को वन विभाग को दिया जाता है जा सकता है तो नया खसरा नंबर 2117 की जमीन 70.5 बीघा जो कस्टोडियन के अंतर्गत आती है उस जमीन को राज्य सरकार द्वारा गांव वालों एवं जैन समाज को भी दी जा सकती है। जबकि उक्त खसरा नंबर में जैन समाज के कुछ प्राचीन मंदिरों के अवशेष है जिनमें एक मंदिर में जैन तीर्थंकर की प्रतिमाएं सुशोभित है। वह जमीन राजस्व के अन्तर्गत होते हुए भी वहां पर वन विभाग वाले काम नहीं करने देते हैं। बेहरोज वाले और जैन समाज के लोग सरकार से यह मांग करते हैं कि गांव के लोग जिन घरों में रह रहे हैं, उनका पटटा उनको वितरित किया जाए। जैन समाज के पूर्वजों की पहाड़ की तलहटी में मंदिर और मकानों के खंडहर अवशेष है और राजस्व की जमीन है इसलिए उन मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए स्वीकृति, पहाड़ पर मंदिरों का जीर्णोद्धार, पहाड़ पर मंदिरों का दर्शन करने के लिए रास्ता एवं मंदिरों में लोगों के अतिक्रमण हो रहे हैं उनको मुक्त कराया जाए। जैन मंदिरों को श्री पार्श्वोदय तीर्थ ट्रस्ट बेहरोज को सौपने एवं उनका जीर्णोद्धार करवाने, धर्मशाला, यात्री निवास बनवाने सहित परोपकार के कार्य करने की अनुमति प्रदान की जाए। मंदिर समिति के उपाध्यक्ष अरुण शाह ने बताया कि इसके लिए समाज की ओर से माननीय प्रधानमंत्री, माननीय वन मंत्री, भारत सरकार, माननीय मुख्यमंत्री राजस्थान, माननीय राजस्व मंत्री राजस्थान, माननीय वन मंत्री राजस्थान, पुलिस महानिदेशक राजस्थान , पुलिस कमिश्नर जयपुर , अतिरिक्त मुख्य सचिव वन विभाग शासन सचिवालय जयपुर, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन विभाग, जयपुर, डीएफओ अलवर, कलेक्टर खैरथल-तिजारा और पुलिस थाना ततारपुर को भी का लिखा जा चुका है। समाज के सभी मंदिरों के पदाधिकारी और जैन बधु सरकार को चेतावनी देते हैं कि बेहरोज के परिवारों और जैन समाज को उनकी जमीनों का हक तुरंत दिलाया जाए इसके लिए दिनांक 31 जुलाई, 2025 को पत्र लिख कर सरकार को दिनांक 2 सितंबर2025 तक कार्रवाई कर लिखित में सूचित करने हेतु निवेदन किया गया है। यदि 2 सितम्बर, 2025 तक प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जाती है तो उसके पश्चात 3 सितंबर 2025 से मुनि पावन सागर जी महाराज पूरे जैन समाज के बंधुओं के साथ सचिवालय के सामने आमरण अनशन पर बैठेंगे। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि आमरण अनशन के लिए दिनांक 3 सितंबर 2025 को दोपहर 2:15 बजे श्री दिगम्बर जैन मंदिर गायत्री नगर महारानी फार्म दुगार्पुरा से सचिवालय के लिए मंगल विहार और पद विहार होगा। संवाददाता सम्मेलन के मौके पर मंदिर समिति अध्यक्ष कैलाश छाबड़ा, उपाध्यक्ष अरुण शाह, मंत्री राजेश बोहरा, सदस्य संतोष रावकां, अशोक जैन के साथ राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के संस्थापक अध्यक्ष राकेश गोदीका, दिनेश पाटनी, सुरेन्द्र जैन सहित बड़ी संख्या में जैन बन्धु उपस्थित थे। **प्रेषक - पावन सागर जी महाराज (जंगल वाले बाबा) चातुर्मास स्थल- श्री दिगंबर जैन मंदिर गायत्री नगर महारानी फार्म जयपुर**

दान वहीं दें जहां उसका सदुपयोग हो: मुनि आदित्य सागर

गुरुवार से होगा दस दिवसीय आध्यात्मिक श्रावक साधना संस्कार शिविर का आयोजन-पूरे देश से श्रद्धालु होंगे शामिल

जयपुर. शाबाश इंडिया

कीर्तिनगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में चातुर्मासरत पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज के शिष्य मुनि आदित्य सागर महाराज ने सोमवार को आयोजित धर्म सभा में कहा कि लोभ कषाय के छोड़ने पर ही सुख समृद्धि की प्राप्ति होगी। लोभ पाप की वृद्धि करता है। सबसे पहले हमें लोभ को छोड़ना चाहिए। मुनि श्री ने कहा कि धन के पैसे का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए । मंदिर के निर्माण के लिए दिया गया दान मंदिर निर्माण में ही काम में आना चाहिए। दान वही देना चाहिए जहां उसका उपयोग हो। जहां दुरुपयोग हो वहा दान नहीं देनि चाहिए। मुनि श्री ने कहा कि मंदिर कमेटी वालों को विचार करना चाहिए कि श्रावक के द्वारा दिया गये दान का सदुपयोग हो जिससे दूसरे लोग भी प्रेरणा लेकर उस मद में दान दे सकें। मंदिर के पैसे खाने वाले लोगों की दुर्गति निश्चित है। मंदिर के पैसे का दुरुपयोग नहीं हो और उसे पैसे को खाने का भाव कभी ना आए। मंदिर का पैसा खाने वाले 7000 वर्ष तक भ्रष्टता का कीड़ा बनते हैं। मुख्य प्रचार प्रसार समन्वयक विनोद जैन कोटखावदा एवं प्रचार मंत्री आशीष बैद ने बताया कि दशलक्षण महापर्व के दौरान 28 अगस्त से 6 सितम्बर तक दस दिवसीय आध्यात्मिक श्रावक साधना संस्कार शिविर - 2025 का आयोजन सन्नी पैराडाईज के पीछे, मुंशी महल गार्डन, टौक रोड़ पर विशाल आयोजन होगा जिसमें पूरे देश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र जैन ने बताया कि मंगलवार, 26 अगस्त को मंदिर परिसर में प्रातः 8.15 बजे धर्म सभा में मुनि आदित्य सागर के मंगल प्रवचन होगें। सायंकाल श्रुत शंका समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

-विनोद जैन कोटखावदा

किसी को न तू दुश्मन मान: युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी

पनवेल. शाबाश इंडिया

किसी को न तू दुश्मन मान, न किसी से बैर पाल। क्षमा ही आत्मा का सच्चा आभूषण है।पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व के छठे दिन सोमवार को पनवेल जैन स्थानक में आयोजित विशाल धर्मसभा में श्रमणसंघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने श्रध्दालूओ को संबोधित करते हुए कहीं। युवाचार्य प्रवर ने कहां संवत्सरी आत्मा की आईटीआर भरने का दिन है। इस दिन राग-द्वेष की गांठों को खोलकर आत्मा को हल्का करना ही सच्चा प्रायश्चित्त है। उन्होंने कहा जीवन में किसी को दुश्मन मानना ही सबसे बड़ी गलती है। गांठ चाहे धागे की हो या मन की दोनों भारी कर देती हैं। धागे की गांठ कपड़े को बिगाड़ती है, और मन की गांठ आत्मा को। इसलिए संवत्सरी पर पुरानी गांठें खोलो और नई गांठें मत बांधो। उन्होंने बच्चों का उदाहरण देते हुए कहा कि बच्चा पलभर में रूठता है और पलभर में मान भी जाता है, क्योंकि उसका हृदय निर्मल होता है। बच्चे के हृदय में न बैर है, न द्वेष। धर्म यही सिखाता है कि हम भी बच्चों की तरह सरल और कोमल बनें। युवाचार्य प्रवर ने अर्जुन माली, संत तुकाराम, संत एकनाथ और हनुमान-सीता संवाद जैसे प्रेरक प्रसंगों का उल्लेख करते हुए बताया कि सच्चा धर्म वही है, जो हमें मन की गांठों से मुक्त कर दे। निरग्रंथ वही कहलाता है जिसके भीतर कोई वैरभाव, द्वेष या बैर न हो। उन्होंने कहा कि कोई कितना भी अपमान कर दे, किंतु क्षमा करने वाला ही आत्मा के महोत्सव का अधिकारी बनता है। क्षमा आत्मा को पवित्र करती है और संवत्सरी क्षमा का ही महापर्व है। इसलिए किसी को दुश्मन मत मानो, न किसी से बैर रखो। सभा से पूर्व तपस्वी धवल ऋषिजी एवं हितमित भाषी हितेंद्र ऋषि ने शास्त्र वाचन एवं विवेचन किया। इस अवसर पर अनेक तपस्वियों ने उपवास के प्रत्याख्यान लिए। शैलेष मुनोत ने 31 उपवास, हिमांशु कटारिया ने 25 उपवास, सम्यक-जितेंद्र बालड़ ने 14 उपवास तथा अनेक अन्य श्रावक-श्राविकाओं ने 6 उपवास के युवाचार्यश्री से प्रत्याख्यान लिए। जनप्रतिनिधि मावल सांसद श्री रंग अप्पा बारने ने युवाचार्य प्रवर से आशीर्वाद लिया। इस दौरान चातुर्मास समिति के अध्यक्ष राजेश बांठिया, राजेंद्र बांठिया, शैलेन्द्र खेरोदिया, शीतल बांठिया एवं विजय श्रीमाल ने सांसद महोदय का स्वागत किया। सभा संचालन अशोक बोहरा ने किया। **-प्रवक्ता सुनिल चपलोत**

आज मनेगी रोट तीज, घर-घर बनेंगे रोट

दिगम्बर जैन धर्मावलम्बियों का रोट तीज पर्व आज

जैन मंदिरों में होगा तीन चौबीसी पूजा विधान दशलक्षण महापर्व गुरुवार से दिगम्बर जैन मंदिरों में रहेगी धूम

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों का रोट तीज पर्व मंगलवार, 26 अगस्त को मनाया जाएगा। इस मौके पर मंदिरों में तीन चौबीसी पूजा विधान का आयोजन होगा । घरों में रोट खीर बनाकर अन्य धर्मों के लोगों, मित्रों को खिलाया जाएगा। राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार जैन धर्म में इस त्यौहार का बडा महत्व है। मंगलवार को श्रद्धालुओं द्वारा रोट, घी, बूरा एवं तुरई का रायता बनाया जाएगा। जैन ने बताया कि भाद्रपद शुक्ला तृतीया (तीज) को 72 कोठे का मण्डल मांडकर चौबीस महाराज की तीन चौबीसी पूजा विधान की जाएगी। इस पूजा विधान से ज्ञान रूपी लक्ष्मी अटल रहती है। इस दिन महिलाओं द्वारा रोट तीज का व्रत एवं उपवास भी किया जाता है। दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों के साथ षोडशकारण एवं मेघमाला व्रत सोमवार 8 सितम्बर तक चलेगे। गुरुवार, 28 अगस्त से दशलक्षण महापर्व प्रारम्भ होगें जो शनिवार, 6 सितम्बर तक चलेगे। इस दौरान दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन होगें ।जैन धर्म में उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव,उत्तम आर्जव, उत्तम शौच, उत्तम सत्य, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकिंचन्य एवं उत्तम ब्रम्हचर्य सहित धर्म के 10 लक्षण होते हैं। इन दस दिनों में प्रातः से जैन मंदिरों में अभिषेक, शांतिधारा, सामूहिक पूजा, मुनिराजो की विशेष प्रवचन श्रृंखला, श्रावक संस्कार साधना शिविर, महाआरती, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। धर्मावलंबी तीन दिन, पांच दिन, आठ दिन, दस दिन, सोलह दिन, बत्तीस दिन सहित अपनी क्षमता एवं श्रद्धानुसार अलग-अलग अवधि के उपवास करते हैं। जिसमें निराहार रहकर केवल मात्र एक समय पानी लेते हैं। जैन के मुताबिक मंगलवार 2 सितम्बर को सुगन्ध दशमी मनाई जावेगी । शनिवार 6 सितम्बर को अनन्त चतुर्दशी एवं दशलक्षण समापन कलश होगें ।सोमवार 8 सितम्बर को षोडशकारण समापन कलश एवं पड़वा ढोक क्षमा वाणी पर्व मनाया जावेगा ।इस मौके पर वर्ष भर की त्रुटियों एवं गलतियों के लिए आपस में क्षमा मांगेंगे, खोपरा मिश्री खिलायेगें। विनोद जैन 'कोटखावदा' उपाध्यक्ष-राजस्थान जैन सभा जयपुर